Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding opening of a branch of Central Bank of India in Hanumantpura Chauraha and Piproli Gadhiya in Etawaha Parliamentary Constituency.

डॉ. रामशंकर कठेरिया (इटावा): सभापति महोदय, मेरे लोक सभा क्षेत्र इटावा में एक बहुत बड़ा क्षेत्र यमुना और चंबल का है । ये दोनों नदी हैं । मध्य प्रदेश की सीमा पर बीहड़ का बहुत बड़ा क्षेत्र है । उस क्षेत्र में लंबे समय से एक सबसे बड़ी समस्या पानी की है । वहां पर बहुत दिनों तक पंचनद पर परियोजना बनाने की मांग की जाती रही ।

दूसरा, उस बड़े क्षेत्र में लंबे समय से मांग होती रही कि वहां पर कोई बैंक खोली जाए । वहां लगभग डेढ़ सौ ऐसे गाँव हैं, जिनको जंगल से होकर, जहां रास्ता नहीं है, जाना पड़ता है । वन विभाग के कारण वहां के गांव जो जंगल में बसे हुए हैं, वहां पर आजादी के इतने दिनों बाद भी अभी तक पक्की सड़क नहीं बन सकी है । उस पूरे क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग सेना में काम कर रहे हैं । उनके घर की जो महिलाएं हैं, उनको एक लंबी दूरी तय करके बैंक में जाना पड़ता है । इन्हीं सब मांगों को लेकर वहां पर वर्ष 1990 में दो सेंट्रल बैंक खोली गई थीं । एक बैंक हनुमंतपुरा चौराहे पर और दूसरी बैंक पिपरौली गढ़िया के पास खोली गई थीं ।

महोदय, इसके बाद वहां पर बहुत सारे दस्यु सम्राट और बड़े-बड़े गिरोह बन गए । उनके भय के कारण वे दोनों बैंकें लखना और चाकन नगर शिफ्ट कर दी गईं ।

महोदय, अब उन डेढ़ सौ गाँव में कोई दस्यु सम्राट और कोई बड़े गिरोह नहीं रहे । लेकिन, उन डेढ़ सौ गाँव के लोग आज भी जहां रास्ता नहीं है, वहां की महिलाओं को 30 किलोमीटर दूर लखना स्थित बैंक में जाना पड़ता है ।

मैं आपके माध्यम से माननीय वित्त मंत्री जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि हनुमंतपुरा चौराहे और पिपरौली गढ़िया के पास पुन: सेंट्रल बैंक खोला जाए, जिससे वहां के डेढ़ सौ गांव के लोगों को इस समस्या से मुक्ति मिल सके । आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।